ALANINE

समय : २ घण्टे | पूर्णांक : ५०

प्र.१ निम्नलिखित अवतरणों की संदर्भ सहित व्याख्या कीजिए :- १

क) "ये छोटी-मोटी उपलब्धियाँ तो मनुष्य की परीक्षाएँ हैं, कसौटियाँ है कि देखें यह कितना खरा है और कभी कभी उसे भ्रष्ट करने का नियति का षडयंत्र भी...."

अथवा

"मारपीट होना न होना उतना महत्त्वपूर्ण नहीं ....., महत्त्वपूर्ण है उसका कॉलेज या कॉलेज की प्रतिष्ठा के साथ जुड़ना ..... सो वह जुड ही गया है... इससे कॉलेज, प्रिंसिपल, शिक्षक, छात्र सभी बदनाम होते है ।"

ख) "बसन्त उसका है जिसके हाथ में सत्ता है, सत्ताहीन का कैसा बसन्त ? इसीलिए, निर्मयदि होने की, उच्छृंखल होने की छूट भी उसी को है, जिसके हाथ में बसन्त है ।"

अथवा

"यह कौन-सा राग छेड़ दिया, माँ ! सीधा कह दो, नहीं है जेवर, बस ! इससे पढ़ाई-वढ़ाई का क्या ताल्लुक है। जो जेवर बिका, तो कुछ बनकर ही आया हूँ, निरा लण्डूरा तो नहीं लौटा आया । जितना दिया था, उससे दुगुना ले लेना!"

प्र.२ निम्नलिखित प्रश्नों के उत्तर लिखिए :- २

च) 'दीक्षांत' उपन्यास के माध्यम से शर्मा जी के पारिवारिक परिस्थितियों का वर्णन कीजिए ।

अथवा

'राधिका देवी बिसारिया' कॉलेज में शर्मा जी पर रचे गए चक्रव्यूह को अपने शब्दों में स्पष्ट कीजिए।

छ) 'धरती और धान' निबंध के माध्यम से पांडेय बेचन शर्मा की माँ का चरित्र - चित्रण कीजिए ।

अथवा

'राजनीति का बँटवारा' व्यंग के माध्यम से भैयाजी की राजनीतिक सूझ-बूझ को अपने शब्दों में स्पष्ट कीजिए ।

प्र.३ निम्नलिखित विषयों पर टिप्पणियाँ लिखिए :- १

ट) 'चन्द्रभान सिंह' का चरित्र-चित्रण ।

अथवा

प्रिंसिपल राजदान की विवशता।

ठ) वृध्द सज्जन की तीसरी पत्नी ।

अथवा

'नया समाज' एकांकी की कथावस्तु ।

●○●○●○●○●○●